दैनिक
न्याय साक्षी

महत्वपूर्ण एवं खास

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में आए विदेशी मेहमानों का लौटना शुरू

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के समापन के बाद विदेशी मेहमानों का अपने देश लौटने का सिलसिला प्रारम्भ हो गया है।मंगोलियन देश के नर्तक दल के 10 प्रतिभागी 'रायपुर बाय रायपुर बाय' और अपने टूटी फूटी जुबान में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहते हुए एयरपोर्ट से विदा हुए। उन्होंने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में मंगोलियन डांस ,जोरून जोरून, प्रस्तुत किया था। समूह के मुखिया इनखबोल्ड ने कहा छत्तीसगढ़ आना उनका अच्छा अनुभव रहा। मौका मिला तो दोबारा आएंगे। उन्हें पहली बार रायपुर आने का मौका मिला था वे हमेशा याद रखेंगे।

मिजोरम दल के 22 प्रतिभागी वापस लौटे

रायपुर (आरएनएस)। मिजोरम राज्य के 22 प्रतिभागी बाय छत्तीसगढ़ कहते हुए विदा हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का अद्भुत आयोजन रहा। राज्य सरकार ने आवास, भोजन एवं सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की थी। यहां छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा उन्हें बहुत पसंद आया। वे छत्तीसगढ़ के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं रखते थे। अब वे दोबारा यहां आने का प्रयास करेंगे।

मणिपुर के कलाकारों ने की नृत्य महोत्सव के भव्य आयोजन की सराहना

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का हिस्सा बनने के बाद आज मणिपुर के कलाकार अपने प्रदेश लौट रहे हैं। देर शाम मणिपुर के कलाकारों की टीम लौटने के लिए रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुँची। इस दौरान बातचीत करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ में हुए भव्य आयोजन की सराहना की। मणिपुर के इन कलाकारों ने देशभर के सामने अपनी कला, संस्कृति और प्रतिभा को प्रदर्शित करने मंच मिलने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि मौक़ा मिला तो वे फिर छत्तीसगढ़ आना चाहेंगे।

छत्तीसगढ़ से विदा लेते हुए भावुक हुईं मोज़ाम्बिक की कलाकार जिय़ाना और टेलीसा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ से विदा लेते हुए भावुक हुईं मोज़ाम्बिक की कलाकार जिय़ाना और टेलीसा, छत्तीसगढ़ के कोऑर्डिनेटर्स और महिला सुरक्षाकर्मियों से लिपट कर रोईं। अपने देश लौटने की बेला में पराए देश में अपनों की तरह मिले प्यार से भावुक हुईं मोज़ाम्बिक से आयीं कलाकार।

टोगो और मालदीव से आए कलाकारों की टीम रायपुर से रवाना

रायपुर (आरएनएस)। एयरपोर्ट पर चर्चा के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की मेज़बानी की तारीफ़ की और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विशेष रूप से आभार जताया। विदेशी कलाकारों ने दुबारा भी यहाँ आयोजन में शामिल होने की इच्छा जतायी। उन्होंने कहा कि यहाँ मिला अपार स्नेह उन्हें अभिभूत कर गया। यहाँ आयोजकों की मेहमाननवाज़ी और कलाप्रेमियों से मिली सराहना को वे हमेशा याद रखेंगे।

अपने देश लौटते हुए इंडोनेशिया के कलाकार बोले- राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव को भरपूर एंजॉय किया

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ आए इंडोनेशिया के लोक कलाकार समूह ने हाथ जोडक़र किया छत्तीसगढ़ की मेहमान नवाज़ी का शुक्रिया। महोत्सव में शामिल हुए इंडोनेशिया के 10 प्रतिभागी आज विवेकानंद विमानतल से अपने देश के लिए रवाना हुए। टीम की सदस्य सुश्री राबिया आदिन ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ आकर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव को भरपूर एंजॉय किया और यहां लोगों से मिलने का भी मौका मिला। इस महोत्सव में हमें अपने देश के आदिवासी संस्कृति को एक प्रतिष्ठित मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला।

राज्योत्सव में बस्तरिया भात स्टॉल रहा आकर्षण का केंद्र

- **चापड़ा चटनी,आमट, मड़िया पेज ,महुआ लड्डु, बास्ता सब्जी का स्वाद चखने उमड़ी भीड़**
- **बस्तर के हल्बा कचोरा ग्राम की महिला समूह ने स्टॉल से तीन दिन में कमाए 32 हजार रुपए**

रायपुर (आरएनएस)। राज्योत्सव में लगा बस्तरिया भात स्टॉल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। आदिवासी संस्कृति से जुड़े व्यंजन की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही। बस्तर के ग्राम हल्बा कचोरा से आयी जय बजरंग महिला स्वसहायता समूह की मंगली बघेल, माधुरी देवांगन, चंदा देवांगन ने बताया कि राज्योत्सव में तीन दिनों में ही उन्होंने अपने स्टॉल बस्तरिया भात से 32 हजार से अधिक की कमाई कर ली है। उनके द्वारा परोसे जा रहे बस्तरिया खाने को लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। महुआ लड्डू की डिमांड इतनी ज्यादा है कि हमारा स्टॉक ही खत्म हो गया। हमने बस्तरिया थाली में भात, चीला, आमट, बास्ता सब्जी, माडिय़ा पेज, बोबो, चाउर भाजा, चपोड़ा चटनी तिखूर बर्फी जैसे व्यंजनों के साथ में महुआ की चाय भी है।

उन्होंने बताया कि चापड़ा यानि लाल चींटी की चटनी की मांग छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में काफी है।आदिवासियों का मानना है कि लाल चींटी की चटनी खाने से मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां नहीं होती हैं। छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में लाल चींटी के औषधीय गुण के कारण इसकी बहुत मांग हैं।चापड़ा उन्हीं चींटियों से बनाया जाता है जो मीठे फलों के पेड़ जैसे आम पर अपना आशियाना बनाती हैं।

आदिवासियों का कहना है कि चापड़ा को खाने की सीख उन्हें अपनी विरासत से मिली है। बस्तर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में चापड़ा के शौकीन इसे खूब खरीदते हैं।

आमट - आमट बस्तर में बनने वाला पारंपरिक सब्जी हैं। जिसका स्वाद लाजवाब होता हैं। इसे सब्जी में सब्जियों का मिश्रण होता हैं। आमट बिना तेल का बनाया जाता है। बास्ता को लोग औषधीय सब्जी के रूप में पसंद करते हैं इसलिए मांग अधिक है।

गुर बोबो - गुर बोबो बस्तर में अत्यधिक प्रचलित है। गुर बोबो का अर्थ होता है गुर यानी गुड़ और बोबो यानी भजिया। यह बोबो आटे और गुड़ से बनाया जाता है। बोबो सामाजिक कार्यक्रम जैसे जन्म संस्कार, विवाह, मृत्यु संस्कार एवं पारम्परिक तीज त्योहार में उपयोग किया जाता है।

हरियाणा की कलाकार को राज्योत्सव स्थल पर मिला बेहतर इलाज

कलाकार श्रुति ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव में शाम हरियाणा से आयी कलाकार श्रुति ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य से जुड़ी योजना की प्रशंसा की है। श्रुति ने राज्योत्सव स्थल पर मौजूद स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लिया, जहां उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उचित उपचार और दवाइयां दी गई बल्कि लगातार उनका ध्यान भी रखा गया। श्रुति ने बताया कि प्रस्तुति से पूर्व लगातार अभ्यास के के बीच कभी-कभी कलाकार बीमार या घायल हो जाते हैं, ऐसा ही उनके साथ हुआ। अभ्यास के दौरान उनकी तबियत बिगड़ गई, तो यहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने उनका अच्छा इलाज किया। इस समय डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने उसकी बहुत अच्छी देखभाल की। श्रुति ने छत्तीसगढ़ सरकार को राज्योत्सव स्थल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद दिया है।

राज्योत्सव में बस्तरिया टैटू ने खींचा सबका ध्यान : बस्तरिया टैटू के माध्यम से नई जनरेशन तक पहुंच रही है ट्राइबल संस्कृति

जगदलपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में बस्तर के गोदना कलाकार अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्योत्सव में बस्तर के युवाओं ने ट्राइबल टैटू का स्टॉल लगाया है। जो लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बस्तर आर्ट गैलरी में लगे ट्राईबल टैटू को लोग काफी पसंद कर रहे हैं और बस्तर के प्रसिद्ध प्राचीन गोदना कलाकृतियों को टैटू के रूप में गुदवा रहे हैं।

बस्तर के रहने वाले धनुर्जय बघेल का कहना है कि 12वीं तक पढ़ाई के बाद वे रोजगार की तलाश कर रहे थे। गोदना में उन्हें पहले से ही रूचि थी। जिसकी वजह से उन्होंने जिला प्रशासन की मदद से बादल एकेडमी में 20 दिनों तक गोदना आर्ट की ट्रेनिंग ली। उनके साथ 20 और युवाओं ने ट्राईबल टैटू का प्रशिक्षण लिया है। धनुर्जय के साथ चार युवाओं ने राज्योत्सव में स्टॉल लगाकर लोगों तक बस्तर की गोदना संस्कृति को पहुंचाने का काम तो कर ही रहे हैं। वहीं टैटू आर्टिस्ट के रूप में उनकी पहचान भी बना रहे है। जिससे वे आर्थिक सशिक्तकरण की तरफ बढ़ रहे हैं।

राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए धनुर्जय कहते हैं कि अपनी पढ़ाई के बाद उन्हें रोजगार की चिंता थी। लेकिन राज्य सरकार के प्रयासों से उन्हें और उनके जैसे अन्य युवाओं को अपने पसंद के काम की ट्रेनिंग मिली और अब उनके पास रोजगार है। धनुर्जय के साथ उनके तीन युवा साथी जोगी राम बघेल, सुखमन नाग और संदीप बघेल आए हैं। बता दें धनुर्जय और उनकी टीम से अब तक लगभग 400 लोगों ने टैटू बनवाया है।

ट्राइबल टैटू बनाने वाले युवा गोदना संस्कृति को युवाओं में प्रचलित तो कर ही रहे हैं साथ ही टैटू बनाने के बाद टैटू की देखभाल के तरीके भी बता रहे हैं, जिससे उन्हें किसी भी तरह के संक्रमण की परेशानी न हो।

बस्तर की गोदना कला और मान्यताएं

पुराने लोगों में गोदाना काफी प्रचलित है। उनका मानना है कि गोदना ही एक ऐसी चीज है जो मरने के बाद इंसान के साथ जाती है। यानी कि गोदना पृथ्वी लोक से स्वर्ग तक साथ जाने वाला एक अमूल्य आभूषण है। बस्तर में गोदना को आभूषण की तरह माना जाता है, यहां गोदना का काम ओझा जाति के लोग करते हैं,इन्हें नाग भी कहते हैं। बस्तर में महिलाओं को गोदना अति प्रिय है, पुरुष भी थोड़ी मात्रा में गोदना करवाते हैं। बस्तर के मैदानी इलाके में बुंदकिया गोदना अधिक लोकप्रिय है।

वीडियो बनाने से मना करने पर युवक को मारा चाकू

रायपुर (आरएनएस)। नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम जलसो में जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान वीडियो बनाने से मना करने पर 5 युवकों ने दो लोगों से मारपीट कर चाकू से पेट पर हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जलसो निवासी प्रार्थिया सतना उइके 60 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि उसके घर में नातिन का जन्मदिन कार्यक्रम में परिवार के लोग साउंड बॉक्स लगाकर नाच रहे थे। तभी दो बाइक में सवार होकर आरोपी दीना, शंकर, पप्पू, लक्की, जयमोहन आए और लड़कियों के वीडियो बनाने लगे।

जिससे प्रार्थिया के देवर और उसका बेटा राज उइके ने मना किया तो आरोपियों ने प्रार्थिया के देवर व उसके पुत्र से गाली-गलौज कर राज उइके के पेट पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 147, 148, 294, 506, 324 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

नक्सलियों के जान से मारने के फरमान से ग्रामीणों के पलायन का सिलसिला जारी

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले से नक्सलियों के डर के चलते ग्रामीणों के गांव से पलायन का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिले के कटेकल्याण थाना क्षेत्र अंर्तगत नक्सलियों की दहशत के चलते ग्राम चिकपाल के हुंगा नामक एक ग्रामीण ने गांव छोडक़र अन्यंत्र पलायन कर गया है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने उसे खुलेआम जान से मारने की धमकी दी है। ग्राम चिकपाल का ग्रामीण हुंगा एक बानगी मात्र है, नक्सल प्रभावित इलाकों से एसे सैकड़ों ग्रामीण नक्सली धमकी से पलायन कर चुके हैं, जिसका आंकड़ा नही मिलता है। कटेकल्याण थाना प्रभारी बंजारे ने बताया कि यह पोस्टर पुराना है और वर्तमान में ग्रामीण हुंगा गांव में नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा के चिकपाल में नक्सलियों के दरभा डिवीजन ने हुंगा नामक एक ग्रामीण को आने वाले जनवरी माह तक हत्या करने की खुली चेतावनी गांव के पेड़ों में पोस्टर टांग कर दी है। ग्राम चिकपाल निवासी हुंगा की दुकान में देर रात नक्सली आ धमके पहले उन्होंने दुकान में आगजनी की, फिर पास के ही पेड़ो में हूंगा की मौत का फरमान सुनाते हुए पोस्टर टांग दिया। इसमें नक्सलियों ने लिखा है कि चिकपाल में हुंगा नामक आदमी जो कि मुखबिर का काम करता है। साथ ही उसके पास दूरबीन और एक राइफल होने की बात भी पर्चे में लिखी है। इतना ही नहीं, नक्सलियों द्वारा जारी पर्चे में हुंगा की गोली मारकर हत्या करने की भी बात कही गई है।

दूरसंचार विभाग भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इन्टरनेट सुविधा का हुआ शुभारंभ

धमतरी/भखारा (आरएनएस)। दूरसंचार विभाग भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में इन्टरनेट सुविधा का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भखारा के रामपुर ग्राम पंचायत में आयोजित किया गया था इस कार्यक्रम में दिल्ली से संजय कुमार वाष्णेय उप महाप्रबंधक यू. एस.ओ.एफ. नई दिल्ली, व्ही.के छबलानी प्रधान महाप्रबंधक(सी.एफ.ए. छ.ग.), टी.के. मरकाम महाप्रबंधक (रायपुर दूरसंचार, छ.ग.),सतीश कुमार साहू मुख्य महाप्रबंधक (बी.बी.एन.एल.) रायपुर उपस्थित थे। भारत नेट परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली से आये उप महाप्रबंधक ने कहा कि ये सेंट्रल गवर्मेन्ट की योजना है, भारत सरकार दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा भारत नेट योजना के माध्यम से पंहुचा रही है देश के लगभग 6 लाख गाव में आप्टिकल फाइबर केबल पहुचने का लक्ष्य है 7 इसमें पहले चरण में 2.5 लाख ग्राम पंचायत का चुनाव किया गया इसमें लगभग 1 लाख 75 हजार ग्राम पंचायत को ये सुविधा दे दी गई है, आने वाले जून जुलाई तक कार्य पूर्ण हो जायेगा। धमतरी के बीएसएनएल अधिकारी ने बताया की धमतरी जिले में भी भारत नेट योजना के लिए चुना गया है इस योजना के तहत धमतरी जिले के लगभग सभी ग्राम पंचायतो के रहवासियों के लिए बिना इनस्टॉलेशन मूल्य के 1 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक कनेक्शन दिए जा रहे है जिसमे सिर्फ उन्हें हर महीने आने वाले बिल का ही भुगतान करना है इस फ्री योजना का लाभ ग्रामीण ले सकते है। भारत नेट योजना के शुभारम्भ अवसर पर रामपुर ग्राम पंचायत के सरपंच ने कहा की दूरसंचार विभाग की भारतनेट योजना से हमारे ग्राम के लोगों को इन्टरनेट का फायदा मिल रहा है अब गाव के बच्चे ऑनलाइन शिक्षा के साथ ही साथ गाव में ही रहकर पुरे भारत से जुड़ जाते है।

साथ ही साथ ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने जो इस योजना का लाभ उठा रहे है उन्होंने बताया की इस योजना के प्रारम्भ होने से हमे काफी लाभ हुआ है और हम काफी खुश है कि जंहा इन्टरनेट की सुविधा नहीं थी वंहा दूरसंचार विभाग द्वारा इन्टरनेट सुविधा प्रदान किया जा रहा है इस सुविधा से हम संतुष्ट है।

रिश्वत लेते वन विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

- **एंटी करप्शन ब्यूरो और ई ओ डब्लू की कार्रवाई**

रायपुर (आरएनएस)। एंटी करप्शन ब्यूरो और ईओडब्ल्यू की टीम ने की टीम ने बिलासपुर में वनपाल को गिरफ्तार किया गया है। गजेंद्र गौतम सीसीएफ उडऩदस्ते में है। उसे रिश्वतखोरी के मामले आडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया गया है। एन्टी करप्शन ब्यूरो एवं राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो छत्तीसगढ़ के द्वारा लगातार भ्रष्टाचार के विरूद्ध की जा रही कार्यवाहियों के तहत आज को वन विभाग के फॉरेस्टर के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। पार्थी सत्यवत प्रधान पिता बाबू प्रधान 23 वर्ष निवासी सत्या फर्नीचर्स उसलापुर ब्रिज के पास बिलासपुर के द्वारा 3 अक्टूबर को एसीबी में फॉरेस्टर गजेन्द्र गौतम पिता- राम प्रताप गौतम उम्र-45 वर्ष सी. सी. एफ/ उडऩदस्ता बिलासपुर के विरुद्ध इस आशय की शिकायत की गयी कि 29.09.2022 को सी. सी एक उडनदस्ता में तैनात फॉरेस्टर गजेन्द्र गौतम प्रार्थी के फर्नीचर की दुकान में आकर लाइसेस के बारे में पूछताछ करने पर उसने कोरोना काल में लाइसेंस की मियाद खत्म होने से तथा प्रार्थी के एक भाई के जाने से लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करवा सको बताया, जिस पर फॉरेस्टर गजेन्द्र गोराम द्वारा इसी बात पर से प्रार्थी से बतौर रिश्वत 50,000, रूपये की मांग मौके पर ही की गयी। जिस संबंध में प्रार्थी द्वारा मौके पर उपस्थित गवाह से रकम उधार लेकर गजेन्द्र गौतम को 33,800 रूपये दिये गये। गजेन्द्र गौतम द्वारा रिश्वत की रकम 50,000/- रूपये में से शेष रकम 16.200/- रूपये की प्राप्ति हेतु दिनांक 03 10:2022 को पुन फर्नीचर दुकान आकर तकादा करने पर प्रार्थी द्वारा एसीबी में शिकायत की गयी। एसीबी / इंजोडब्ल्यू के निदेशक आरिफ शेख के द्वारा उक्त शिकायत के संबंध में सत्यापन पश्चात कार्यवाही किये जाने को लेकर निर्देश देने पर निदेशक महोदय के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृता सोरी के पर्यवेक्षण में शिकायत के सत्यापन पर से प्रार्थी द्वारा आरोपी गजेन्द्र गौतम फॉरेस्टर के द्वारा बतौर रिश्वत 50,000/- रूपये की मांग करना जिस पर से प्रार्थी से 33,800/- रूपये रिश्वत के रूप में प्राप्त करना तथा शेष रिश्वती रकम 16.200 रुपये के लिए प्रार्थी से तकादा करना सही पाये जाने पर एसीबी बिलासपुर टीम के द्वारा गजेन्द्र गौतम फॉरस्टर के विरूद्ध अपराध क्रमांक 17 / 2022 धारा 7(क) अनि अधि पंजीबद्ध किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है।

राज्योत्सव: परिवहन विभाग के स्टॉल में युवाओं की उमड़ रही भीड़

- **इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2022: रोड टैक्स फीस माफ तथा परमिट से छूट आदि की सुविधा**

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में राज्योत्सव के दौरान परिवहन विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में ऑनस्पाट मिल रही सुविधा का लाभ लेने के लिए युवा काफी उत्साह दिखा रहे हैं। यहां 01 से 03 नवंबर तक तीन दिन में ही 500 युवाओं को ऑनस्पाट लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए गए। इनमें एक नवंबर को 103, दो नवंबर को 178 तथा तीन नवंबर को 219 प्रदत्त लाइसेंस शामिल है। स्टॉल में लर्निंग लाइसेंस प्रदान करने की सुविधा की प्रक्रिया 6 नवंबर तक जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सेवाओं को विभाग द्वारा दिनों-दिन आसान बनाया जा रहा है। इस तारतम्य में परिवहन विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण सुविधा ''तुहंर सरकार तुहंर द्वार'' का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके तहत अब तक लोगों को घर बैठे ही लगभग 14 लाख स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण पत्र तथा ड्राइविंग लाइसेंस मिल चुका है। इनमें 9 लाख 27 हजार स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण पत्र तथा 4 लाख 56 हजार ड्राइविंग लाइसेंस शामिल है।

'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विभाग द्वारा एक हेल्पलाईन नम्बर 75808-08030 जारी किया गया है, जो सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक कार्य करते हुए जानकारी प्रदान करता है। आवेदक चाही गई जानकारी ई-मेल पर भी अपनी मेल भेजकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके आवेदक अपने ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र के प्रेषण संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सेवाओं को आसान और घर के निकट उपलब्ध कराने के लिए तेजी से परिवहन सुविधा केन्द्र खोले जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश में अब तक 235 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना कर चुकी है। इस सुविधा के बाद परिवहन संबंधी सुविधाओं के लिए लोगों को अनाधिकृत एजेंटो के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी, वहीं परिवहन संबंधी सुविधाएं घर के पास ही उपलब्ध हो जाएगी। राज्य में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 1000 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना से करीब 5 हजार युवाओं के रोजगार के सृजन की संभावना है।

परिवहन विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में प्रदर्शनी के माध्यम से अति सुरक्षा रजिस्ट्रीकरण प्लेट, एक मुश्त निपटान योजना, यात्री वाहनों में महिलाओं की सुरक्षा हेतु पैनिक बटन की सुविधा, यातायात नियमों एवं सडक़ सुरक्षा से संबंधी सडक़ सुरक्षा प्रश्नोत्तरी और इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 आदि सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2022 के अंतर्गत रोड टैक्स फीस माफ, डी.बी.टी. सब्सिडी, परमिट से छूट तथा पारम्परिक ईंधन से मुक्ति और 10 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 1.50 लाख तक) की सुविधाएं हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती एकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तय में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU